



BRICS SUMMIT
12 - 13 September 2026
New Delhi, India

BUILDING FOR RESILIENCE, INNOVATION,
COOPERATION AND SUSTAINABILITY

People-Centric Approach
Spirit of Humanity First



CBC 14129/13/0020/2627

गहलोत, आशा लगाए बैठे थे कि वेणुगोपाल, बघेल, रंधावा आदि उनका पुनर्वास कराएंगे पार्टी में

पर उल्टा ही हुआ, प्रियंका गांधी ने वेणुगोपाल, बघेल, रंधावा की टीम पर ही प्रहार करके तोड़ दिया

-रेणु मिश्रल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 सितम्बर। क्या पंजाब कांग्रेस को नया पीसीसी अध्यक्ष मिलने जा रहा है? क्या सचिन पायलट को पंजाब की जिम्मेदारी इसलिए दी गई है, ताकि राजा वडिंग के जाने के बाद बदलाव की प्रक्रिया को आसान बनाया जा सके और कांग्रेस के आपस में लड़ रहे सभी गुटों को एक साथ लाया जा सके?

क्या भूपेश बघेल को पंजाब से इसलिए हटाया गया, क्योंकि उन्होंने कई बार राजा वडिंग की तारीफ और उनका समर्थन किया था, जिससे उनके लिए पीसीसी अध्यक्ष को पद से हटाना मुश्किल हो रहा था?

और अब, जब सचिन पायलट पंजाब के इंचार्ज हैं तो रंधावा का क्या होगा?

रंधावा, डोटारसा के साथ मिलकर काम कर रहे थे और दोनों सचिन पायलट तथा उनके समर्थकों को किनारे करने के लिए पूरी ताकत लगा रहे थे।

■ दूसरी ओर राहुल गांधी की पंजाब की प्रस्तावित यात्रा ने भी **क्षुब्ध** नेताओं को चुप रहने के लिए मजबूर कर दिया है।

■ यह भी चर्चा है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी **चन्नी-रंधावा** की बगावत को शह दे रहे हैं।

■ पर, ये सभी चर्चाएँ व्यर्थ हो गईं, क्योंकि पंजाब में कांग्रेस के सभी खेमों को अब राहुल गांधी की यात्रा की तैयारी में जुटना पड़ रहा है।

■ पर, यह भी चर्चा है कि पायलट, कैप्टन अमरिंदर सिंह को बातचीत करके कांग्रेस में शामिल करा लें।

अब हालात पूरी तरह बदलते दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि पंजाब में पायलट अब रंधावा के बॉस हैं।

राहुल गांधी को समझाया गया है कि वे अपनी प्रतिष्ठा और औपचारिकताओं पर अड़े न रहें, क्योंकि राजा वडिंग को बचाने से ज्यादा जरूरी पंजाब को जीतना है।

सूत्रों का कहना है कि इसी वजह

से भूपेश बघेल को पंजाब से हटाया गया है, क्योंकि नेतृत्व में बदलाव के लिए नए इंचार्ज की जरूरत थी।

उद्देश्य अलग-अलग गुटों को एक साथ लाना और पंजाब में सत्ता हासिल करने के लिए मजबूत दावेदारी पेश करना है।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह चन्नी और

रंधावा को निर्देश दे रहे हैं और कांग्रेस में मुश्किलें पैदा कर रहे हैं। लेकिन अगर समस्या की जड़ पर काम किया जाए और उनके विरोध के असली स्रोत को ही हटा दिया जाए, तो उनके पास शिकायत करने के लिए शायद बहुत कुछ नहीं बचेगा।

राहुल गांधी की पंजाब यात्रा के लिए सभी समूहों और गुटों को एक साथ आना होगा, क्योंकि राहुल गांधी की पंजाब यात्रा की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, हालांकि अभी तारीखें तय नहीं हुई हैं।

कांग्रेस का मुख्य हमला पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर है और प्रताप सिंह बाजवा मान सरकार के खिलाफ जोरदार हमले कर रहे हैं।

इसके अलावा, अगर सचिन पायलट अपने नेतृत्व में कैप्टन अमरिंदर सिंह को कांग्रेस में वापस लाने में सफल होते हैं, तो यह उनकी एक और बड़ी कामयाबी होगी।

सचिन पायलट के पंजाब की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महेश्वरी स्कूल के छात्र गुटों में खूनी झड़प

जयपुर, 8 सितम्बर। राजधानी के प्रतिष्ठित महेश्वरी पब्लिक स्कूल में मंगलवार को उस वक़्त अफरा-तफरी मच गई, जब कक्षा 10 के छात्रों के बीच हुआ मामूली विवाद खूनी झड़प में बदल गया। स्कूल परिसर के पास हुए इस हमले में करीब 10 से 12 छात्रों के गुट ने एक अकेले छात्र को घेरकर बुरी तरह

■ दस-बारह छात्रों ने एक छात्र को घेर कर बुरी तरह पीटा व सिर पर काँच की बोटल मारी।

पीट दिया। मारपीट के दौरान एक छात्र ने पीड़ित के सिर पर पानी की भारी कांच की बोटल से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के तुरंत बाद हरकत में आए स्कूल प्रशासन ने लहूतुहान छात्र को तुरंत पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। डॉक्टरों ने छात्र के सिर पर आए गहरे घाव को देखते हुए करीब छह टांके लगाए हैं। चिकित्सकों के अनुसार, छात्र के चेहरे और सिर पर काफी चोटें आई हैं, हालांकि वह होश में है और उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। इस मामले को सूचना मिलते ही जवाहर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस स्कूल गेट के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से मारपीट में शामिल छात्रों की पहचान करने में जुटी है। फिलहाल विवाद की असली वजह साफ नहीं हो सकी है। स्कूल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सत्य निकेतन की बगल वाली बिल्डिंग को गिराने की योजना बनी

पर, इस योजना के क्रियान्वयन के लिए जब आस-पास की बिल्डिंग्स का सर्वे हुआ तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए

■ दिल्ली में 38 प्रतिशत बिल्डिंग्स मध्यम श्रेणी का भूकंप भी बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं हैं।

■ दूसरे शब्दों में दिल्ली में 33 लाख बिल्डिंग , मध्यम श्रेणी के भूकंप का झटका बर्दाश्त नहीं कर सकतीं, ध्वस्त होने की प्रबल संभावना है।

■ जैसा कि विदित ही है, दिल्ली सैस्मिक ज़ोन-4 में आता है, जो देश में भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील, दूसरे नंबर पर है।

ज्यादा बड़ी है।

हाल के एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि दिल्ली-एनसीआर की लगभग 89 लाख इमारतों में से करीब 38 प्रतिशत इमारतें इस क्षेत्र की प्रमुख सक्रिय फॉल्ट लाइन्स के पास 5.0 तीव्रता के भूकंप की स्थिति में असुरक्षित सिद्ध हो सकती हैं। इसका मतलब है कि 33 लाख से अधिक इमारतें संभावित रूप से खतरे में हो सकती हैं। इससे पता चलता है कि दिल्ली में भूकंप का खतरा कितना बड़ा है।

दिल्ली सैस्मिक ज़ोन 4 में आता है, जो भारत में भूकंप के खतरे के लिहाज से दूसरी सबसे ऊंची श्रेणी है। राजधानी न केवल स्थानीय धंश रेखाओं (फॉल्ट लाइन्स) से आने वाले भूकंपों के प्रति संवेदनशील है, बल्कि हिमालयी क्षेत्र में आने वाले शक्तिशाली भूकंप भी दिल्ली को प्रभावित कर सकते हैं।

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि दिल्ली की जटिल भू-संरचना (जियोलाजी), एक्टिव फॉल्ट्स के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आधुनिकतम लड़ाकू विमान एसयू-57 की खरीद की बारीकियाँ फाइनल होंगी

पुतिन यह विमान बेचने को तत्पर हैं और भारत यह विमान पाने को आतुर

-श्रीनंद झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 सितम्बर। 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी तय बैठक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत को एसयू-57 पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बेचने का प्रस्ताव रख सकते हैं। मौसको, भारतीय वायुसेना के लिए इस स्टैट्यू लड़ाकू विमान को अंतरिम समर्थन के तौर पर पेश कर रहा है। भारतीय वायुसेना को लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रनों की कमी का सामना करना पड़ रहा है और वह स्वदेशी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एमएमसीए) का इंतजार कर रही है, जिसके 2035 के बाद ही आने की उम्मीद है। इस प्रस्ताव में तकनीक

■ हालांकि, अभी भारत-रूस व्यापार, रूस के भारी पक्ष में है तथा भारत की देनदारी 50 बिलियन डॉलर से अधिक है और भारत पर दबाव है, फार्महेयुटिकल्स, कैमिकल्स व कृषि उत्पाद का रूस को निर्यात बढ़ाकर यह ट्रेड डेफिसिट घटाये।

का हस्तांतरण, संयुक्त उत्पादन, एसयू-57ई संस्करण का भारत में स्थानीय स्तर पर निर्माण और, यहां तक कि, सोर्स कोड तक पहुंच देने की पेशकश शामिल है। ये रियायतें बौद्धिक संपदा और आत्मनिर्भरता को लेकर भारत की पुरानी चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से दी जा रही हैं। हालांकि भारतीय अधिकारियों ने हाल में नए सुखोई विमानों की खरीद के बजाय, एसयू-30एमकेआई के आधुनिकीकरण और स्वदेशी कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने

के संकेत दिए हैं, लेकिन उम्मीद है कि पुतिन बातचीत के दौरान इस मामले पर जोर देंगे और पहले की गई सार्वजनिक पेशकशों को आगे बढ़ाएंगे।

यह तय मुलाकात बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत और और रूस के बीच लंबे समय से चली आ रही “विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी” को रेखांकित करती है। बातचीत के एजेंडे में रक्षा सहयोग और दोनों देशों के बीच आर्थिक असंतुलन को कम करने के उपाय प्रमुख

रह सकते हैं। हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार बढ़कर करीब 60-69 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। इसका मुख्य कारण भारत द्वारा रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल, उर्वरक और कोयला खरीदना है।

हालांकि, इससे भारत का व्यापार घाटा 50 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। दोनों देश 2030 तक 100 अरब डॉलर का व्यापार लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं। बातचीत में दवाइयों, रसायनों और कृषि उत्पादों जैसे भारतीय निर्यात के लिए बाजार तक अधिक पहुंच, टैरिफ और गैर- टैरिफ बाधाओं को हटाना, रुपये-रुबल में भुगतान व्यवस्था को बेहतर बनाना, और यूरोशियन इकोनॉमिक यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में प्रगति (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहली बार लग रहा है, ईरान इस बार बुरी तरह घिर गया है

सूत्रों के अनुसार, अब ईरान कोई भारी हवाई हमला करने की स्थिति में नहीं है तथा अब अपने सहयोगी छापामारों, जैसे हूथियों पर आश्रित है, हवाई आक्रमण का क्रम जारी रखने के लिए

-अंजन राय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 सितम्बर। छह महीने के लंबे और थका देने वाले संघर्ष के बाद अब ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका काफ़ी बेहतर स्थिति में नजर आ रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने खुद युद्ध में मिलने वाले फायदों के बारे में अपनी इस मजबूत या आरामदायक स्थिति का जिक्र किया है। सीएनएन ने उनके एक्स टैडल पर की गई टिप्पणियों के हवाले से यह बात कही है।

एक तरफ अमेरिका ने ईरान के सभी सामानों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य और दूसरे बंदरगाहों से आने-जाने पर कड़ी रोक लगाकर ईरान पर गंभीर आर्थिक हमला किया है। इससे देश के सामने बड़ा आर्थिक संकट खड़ा

हो गया है और उसकी अर्थव्यवस्था ढहने की स्थिति में पहुंच सकती है। दूसरी तरफ ईरान की जवाबी कार्रवाई की क्षमता भी लगातार कम हो रही है। ईरान के हमले अब उतने तेज और शक्तिशाली नहीं रहे हैं, जितने

पहले हुआ करते थे। इसके बजाय, ईरान अब अमेरिका के लिए मुश्किलें पैदा करने वाले हमले करने के लिए अपने सहयोगियों पर निर्भर है।

खास बात यह है कि सोमवार को यमन में ईरान के सहयोगी गुट, हूथियों

ने सउदी अरब पर हमले किए। इन हमलों में आम नागरिकों को भी नुकसान हुआ और सऊदी अरब की तेल सुविधाओं को भी क्षित पहुंची। हताश होकर ईरान अब अमेरिकी सैनिकों के खिलाफ जवाबी हमले करने के लिए

क्षेत्र के दूसरे देशों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा है।

यह युद्ध का एक नया चरण है, जिसमें ईरान अपनी लगातार कमजोर होती स्थिति के बावजूद युद्ध की स्थिति पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए

नए-नए तरीके तलाश रहा है। देश के भीतर भी ईरान की जनता युद्ध को लेकर जारी गतिरोध से थक चुकी है।

सैन्य रूप से देखें तो ईरान अब शायद उस तरह के हमले करने की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)



प्रिय प्रदेशवासियों,

हमने संकल्प पत्र में 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' का वादा किया था, जिसे हमने पूरा करके दिखाया है। बार-बार चुनाव और आचार संहिता के कारण विकास की गति प्रभावित होती है; एक साथ चुनाव से इस व्यवधान को कम किया गया है।

आपका वोट राजस्थान के बेहतर भविष्य का संकल्प है। संकल्प वही, जिसे धरातल पर उतारा जाए; वादा वही, जिसे पूरा किया जाए। नए राजस्थान, नए विश्वास और नई रफ्तार के लिए; भाजपा को वोट दें-विकास के लिए, विश्वास के लिए।

"घर से निकलें, बूथ तक जाएं, लोकतंत्र का पर्व मनाएं" "आपका वोट - आपके क्षेत्र का भविष्य तय करेगा"

जिस शहर में हमारा घर है, जहाँ हमारे बच्चे बड़े होते हैं, जहाँ हमारी खुशियाँ और हमारी यादें बसती हैं, उस शहर का भविष्य तय करने का अवसर हमारे हाथ में है। इस बार आपको केवल वोट ही नहीं डालना बल्कि अपने शहर के बेहतर कल के लिए मतदान करना है।

स्थानीय निकाय चुनावों का यह अवसर हमें अपने मोहल्ले, कस्बे, शहर और अपने आसपास के विकास की दिशा तय करने का अधिकार देता है। इसलिए मेरा आप सभी से अनुरोध है कि अपने घर से अवश्य निकलें और मतदान केंद्र तक पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व ने देश में विकास और सुशासन का एक नया विश्वास पैदा किया है। डबल इंजन की हमारी सरकार इसी विकास यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

याद रखिए, लोकतंत्र तभी मजबूत होता है, जब नागरिक जागरूक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। मतदान करना हमारा राष्ट्र के प्रति अपने संवैधानिक कर्तव्यों की भावना को निभाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। अपने क्षेत्र के समुचित विकास के लिए आप जैसे शहर चाहते हैं, वैसे शहर बनाना आपके हाथ में है। अपने वोट के माध्यम से आप यह काम बखूबी कर सकते हैं।

देश और प्रदेश की विकास यात्रा में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इसके लिए आपसे आग्रह है कि भारतीय जनता पार्टी को नगरीय निकायों में विजय दिलाकर हमारी डबल इंजन की सरकार में शहरी सरकार का तीसरा इंजन जोड़ें और ट्रिपल इंजन की सरकार का निर्माण कर विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में सहयोगी बनें।

कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान स्थानीय निकायों के कुशासन से आप भली-भांति परिचित हैं। कांग्रेस के कुशासन का दौर गया, अब विकास की बारी है। कुशासन से त्रस्त थे, अब सुशासन का साथ दें।

आइए, हम सब मिलकर हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप विकसित राजस्थान के निर्माण में अपना सहयोग करें।

आपका अपना
- भजनलाल शर्मा



नगर निकाय चुनाव में

कमल खिलाना है
विकास को आगे बढ़ाना है

कोटा के सीवी गार्डन में 20 फीट ऊंचे पेड़ पर दिखा लैपर्ड, लोगों में दहशत

मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने पेड़ पर बैठे लैपर्ड को देखा तो पुलिस व वन विभाग को सूचना दी

कोटा, (निसं)। शहर के सीवी गार्डन में मंगलवार की सुबह अचानक उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों की नजर पेड़ पर बैठे एक लैपर्ड (तेंदुए) पर पड़ी। लैपर्ड को जमीन से करीब 20 फीट ऊंचे पेड़ की डाल पर बैठा देख टहल रहे लोगों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीमों ने मोर्चा संभाला और आनन-फानन में पूरे पार्क को खाली कराकर सभी मुख्य दरवाजे बंद कर दिए। वन विभाग और नगर निगम की टीम ने हाइड्रोलिक दमकल की मदद से लैपर्ड को ट्रेंकुलाईज (बेहोश) किया और जाल बिछाकर सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। पकड़े गए लैपर्ड को अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क के नाइट शेल्टर में भेजा गया है, जहां से उच्च अधिकारियों की अनुमति के बाद उसे जंगल में छोड़ा जाएगा।

उपवन संरक्षक प्रमोद कुमार धाकड़ का कहना है कि लैपर्ड पेड़ पर मौजूद था, ऐसे में उसको पिंजरे के जरिए या सोधे जाल में पकड़ना मुश्किल था। इसीलिए नगर निगम के अग्निशमन अनुभाग की मदद से



कोटा के सीवी गार्डन में तेंदुए की मौजूदगी से अफरा-तफरी मच गई।

दमकल को बुलवाया गया। हाइड्रोलिक दमकल को पैथरजिस पेड़ पर मौजूद था, उसके नीचे गार्डन में खड़ा किया गया।

पहले लैपर्ड को ट्रेंकुलाईज करने

वाले एक्सपर्ट ने गन से डॉट मारी थी। एक दो निशाने चूकने के बाद डॉट सटीक लग गई थी, जिसके बाद पैथर बेहोश हो गया था। जिसके बाद वन विभाग के कार्मिकों ने लैपर्ड को पेड़

से नीचे जाल में गिराया गया और उसके बाद पिंजरे में कैद किया गया। पैथर को अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क के नाइट शेल्टर में ले जाया जा रहा है, जहां पर रखा जाएगा। पैथर को जंगल

- वन विभाग और नगर निगम की टीम ने हाइड्रोलिक दमकल की मदद से लैपर्ड को ट्रेंकुलाईज किया और जाल बिछाकर सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया**

में रिलीज करने का निर्णय उच्च अधिकारी लेंगे इसके बाद उसे रिलीज किया जाएगा।

रेंजर नागर ने बताया कि लैपर्ड की सूचना पर वे मौके पर पहुंच गए थे। साथ ही टीम को भी बुलाया गया। अभी यह पता नहीं लग पाया कि यह लैपर्ड कहां से और किधर से आया। सीवी गार्डन एक तरफ किशोर सागर तालाब से घिरा हुआ है और बाकी तीनों तरफ सड़क बनी हुई है। वन विभाग का उपवन संरक्षक कार्यालय भी इससे लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि लैपर्ड शिकार की तलाश में आया होगा क्योंकि गार्डन में बड़ी संख्या में बंदर भी रहते हैं।

भीलवाड़ा के उदलियास में 12 फीट लंबा अजगर पकड़ा



वन विभाग और रेस्क्यू टीम ने ग्रामीणों की मदद से अजगर को पकड़ा।

- मंदिर के पीछे झाड़ियों के बीच बने गड्ढे में ग्रामीणों को अजगर दिखाई दिया**
- रेस्क्यू के बाद टीम ने अजगर को सुरक्षित वन विभाग के सुपुर्द कर दिया**

और झाड़ियों में छिपे अजगर को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए टीम को करीब 2 घंटे तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। रेस्क्यू के बाद अजगर को

सुरक्षित वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया। रेस्क्यू टीम के राजू बैरवा ने बताया कि यह गंगा किनारे पाई जाने वाली पाइथन प्रजाति का अजगर है। इसमें जहर तो नहीं होता, लेकिन यह अपनी मजबूत पकड़ और नुकीले दांतों से किसी भी शिकार पर हमला कर उसे मार सकता है।

मौके पर पिंटू सिंह, भैरू सिंह, देवी सिंह, मुकेश सुथार, राजू शर्मा, रायमल भोल सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे। अजगर के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। रेस्क्यू टीम ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित निकाला।

अवधेश मीणा हत्याकांड का इनामी आरोपी जयपुर से गिरफ्तार

आरोपी जयपुर में रहकर ठिकाने बदल रहा था

वजीरपुर, (निसं)। सवाई माधोपुर जिले के चर्चित अवधेश मीणा हत्याकांड में करीब चार महीने से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी सुग्रीव मीणा (25) पुत्र घासीराम मीणा को पुलिस ने जयपुर से गिरफ्तार किया है। वारदात के बाद आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदलकर पुलिस से बच रहा था। पुलिस ने सटीक सूचना के आधार पर जयपुर में दबिश देकर उसे घर दबोचा।

जानकारी के अनुसार मामला गत 6 मई की रात का है। अमर सिंह अपने भाई सियाराम और अवधेश के साथ बाइक से गांव मीणा बड़ोदा लौट रहे थे। सेंगरपुरा रोड स्थित रमशान घाट के पास घात लगाए बैठे बदमाशों ने 6-7

- 21 सदस्यीय टीम ने दबिश देकर इनामी आरोपी सुग्रीव मीणा को पकड़ा**
- गाड़ियों में आए बदमाशों ने अवधेश मीणा पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी**

गाड़ियों में सवार होकर उन्हें घेर लिया। आरोपियों ने अवधेश पर ताबड़तोड़ फायरिंग करने के साथ लाठी-सरियों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल अवधेश की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत

हो गई थी।

एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 21 सदस्यीय विशेष टीम गठित की गई थी। पुलिस के अनुसार, सुग्रीव लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। टीम को उसकी जयपुर में मौजूदगी की सूचना मिली, जिसके बाद दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में पुलिस तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वजीरपुर थानाधिकारी राजवीर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है। हत्याकांड में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है।

आग लगने की सूचना मिलने के बाद चीफ फायर ऑफिसर जलज घसिया भी मौके पर पहुंचे। जिस फैक्टरी में आग लगी वहां फायर फाईरिंग को टीम मौके पर पहुंची। करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद 8 दमकल के 20 फेरो से काबू पाया गया। इस पर बासनी, शास्त्री नगर, चौपासनी फायर ब्रिगेड की टीमों को भी बुलाया गया। करीब 200 लीटर फोम डालकर आग पर काबू पाया गया। सुबह 9 बजे के करीब आग पर पूरी तरह से काबू पाया जा सका।

आग लगने की सूचना मिलने के बाद चीफ फायर ऑफिसर जलज घसिया भी मौके पर पहुंचे। जिस फैक्टरी में आग लगी वहां फायर फाईरिंग को सिस्टम भी नहीं लगा हुआ था, इसके चलते भी आग विकराल हो गई। हालांकि समय रहते आग बुझा लिए जाने से कोई बड़ी जनहानी टल गई। आग से फैक्टरी में लगा टीन शेड भी टूट गया। आग बुझाने वाली टीम में जसरजाल लीलावत, मालाराम, अशोक सुथार, कैलाश, प्रशांत सिंह, रणजीत, मोहनलाल, प्रकाश आदि शामिल रहे।। जानकारी के अनुसार जिस फैक्टरी में आग लगी वहां आग से बचाव के लिए कोई सुरक्षा उपकरण नहीं लगे हुए थे।

आग लगने की सूचना मिलने के बाद चीफ फायर ऑफिसर जलज घसिया भी मौके पर पहुंचे। जिस फैक्टरी में आग लगी वहां फायर फाईरिंग को

सिस्टम भी नहीं लगा हुआ था, इसके चलते भी आग विकराल हो गई। हालांकि समय रहते आग बुझा लिए जाने से कोई बड़ी जनहानी टल गई। आग से फैक्टरी में लगा टीन शेड भी टूट गया। आग बुझाने वाली टीम में जसरजाल लीलावत, मालाराम, अशोक सुथार, कैलाश, प्रशांत सिंह, रणजीत, मोहनलाल, प्रकाश आदि शामिल रहे।। जानकारी के अनुसार जिस फैक्टरी में आग लगी वहां आग से बचाव के लिए कोई सुरक्षा उपकरण नहीं लगे हुए थे।

आग लगने की सूचना मिलने के बाद चीफ फायर ऑफिसर जलज घसिया भी मौके पर पहुंचे। जिस फैक्टरी में आग लगी वहां फायर फाईरिंग को सिस्टम भी नहीं लगा हुआ था, इसके चलते भी आग विकराल हो गई। हालांकि समय रहते आग बुझा लिए जाने से कोई बड़ी जनहानी टल गई। आग से फैक्टरी में लगा टीन शेड भी टूट गया। आग बुझाने वाली टीम में जसरजाल लीलावत, मालाराम, अशोक सुथार, कैलाश, प्रशांत सिंह, रणजीत, मोहनलाल, प्रकाश आदि शामिल रहे।। जानकारी के अनुसार जिस फैक्टरी में आग लगी वहां आग से बचाव के लिए कोई सुरक्षा उपकरण नहीं लगे हुए थे।

आग लगने की सूचना मिलने के बाद चीफ फायर ऑफिसर जलज घसिया भी मौके पर पहुंचे। जिस फैक्टरी में आग लगी वहां फायर फाईरिंग को सिस्टम भी नहीं लगा हुआ था, इसके चलते भी आग विकराल हो गई। हालांकि समय रहते आग बुझा लिए जाने से कोई बड़ी जनहानी टल गई। आग से फैक्टरी में लगा टीन शेड भी टूट गया। आग बुझाने वाली टीम में जसरजाल लीलावत, मालाराम, अशोक सुथार, कैलाश, प्रशांत सिंह, रणजीत, मोहनलाल, प्रकाश आदि शामिल रहे।। जानकारी के अनुसार जिस फैक्टरी में आग लगी वहां आग से बचाव के लिए कोई सुरक्षा उपकरण नहीं लगे हुए थे।

आग लगने की सूचना मिलने के बाद चीफ फायर ऑफिसर जलज घसिया भी मौके पर पहुंचे। जिस फैक्टरी में आग लगी वहां फायर फाईरिंग को सिस्टम भी नहीं लगा हुआ था, इसके चलते भी आग विकराल हो गई। हालांकि समय रहते आग बुझा लिए जाने से कोई बड़ी जनहानी टल गई। आग से फैक्टरी में लगा टीन शेड भी टूट गया। आग बुझाने वाली टीम में जसरजाल लीलावत, मालाराम, अशोक सुथार, कैलाश, प्रशांत सिंह, रणजीत, मोहनलाल, प्रकाश आदि शामिल रहे।। जानकारी के अनुसार जिस फैक्टरी में आग लगी वहां आग से बचाव के लिए कोई सुरक्षा उपकरण नहीं लगे हुए थे।

खारी-मासी नदियों में अवैध बजरी खनन पर एनजीटी सख्त

अधिकरण ने संयुक्त समिति की जांच रिपोर्ट को स्वीकार कर मामले का निस्तारण किया

जयपुर। राजस्थान की खारी और मासी नदियों में कथित अवैध बजरी खनन और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण, मध्य क्षेत्र पीठ, भोपाल ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। अधिकरण ने संयुक्त समिति की जांच रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए मामले का निस्तारण कर दिया। साथ ही संबंधित विभागों और खनन संचालक को पर्यावरणीय नियमों और स्वीकृति की शर्तों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

न्यायमूर्ति श्यो कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने 8 सितंबर को हबीब मोहम्मद बनाम राजस्थान राज्य एवं अन्य मामले में फैसला सुनाया। मामले में खारी और मासी नदियों में कथित अवैध और अनधिकृत बजरी खनन, नदी तल और सीमा चिन्हों को नुकसान पहुंचाने, सार्वजनिक रास्तों में अवरोध पैदा करने तथा भूजल, कृषि भूमि और स्थानीय पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव का मुद्दा उठाया गया था।

मामले की सुनवाई के दौरान अधिकरण ने राजस्व विभाग और राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारियों को शामिल कर एक संयुक्त समिति गठित की थी। समिति

- संबंधित विभागों और खनन संचालक को पर्यावरणीय नियमों और स्वीकृति की शर्तों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए**

ने 7 मई 2026 को खारी और मासी नदियों के विभिन्न स्थानों, बजरी परिवहन केंद्रों और खनन क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हवा की गुणवत्ता, ध्वनि स्तर और भूजल की गुणवत्ता की भी जांच की गई। अधिकरण ने समिति की रिपोर्ट और उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण करने के बाद पाया कि संबंधित परियोजना संचालक के पास वैध पर्यावरणीय स्वीकृति के साथ स्थापना और संचालन की सहमति उपलब्ध है। निरीक्षण के दौरान खनन की गहराई भी पर्यावरणीय स्वीकृति में निर्धारित सीमा के भीतर पाई गई।

अधिकरण ने खान एवं भूविज्ञान विभाग को रेत और बजरी खनन से संबंधित निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। खनन

मसूदा में लावारिस खड़ी कार से 1 10 किलो डोडा-पोस्ट बरामद

के निर्देशन में पुलिस थाना मसूदा के थानाधिकारी विजयसिंह मीना के नेतृत्व में यह कारवाई की गई।

दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली कार :-पुलिस के अनुसार 7 सितंबर को थानाधिकारी विजय सिंह मीना जाते के साथ नगर निकाय चुनाव को देखते हुए गश्त एवं कानून व्यवस्था इयूटी पर थे। इसी दौरान मसूदा के पास जंगल में एक दुर्घटनाग्रस्त वाहन के लावारिस हालत में खड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को मेडिटिया पेट्रोल पंप से पूर्व रणपति इलेक्ट्रिक के पास वाली गली में झाड़ियों

और बजरी परिवहन का संचालन केवल पर्यावरणीय स्वीकृति में तय शर्तों के अनुसार ही किया जाएगा। अवैध खनन पर नियंत्रण के लिए गठित जिला स्तरीय समिति के नियमित रूप से अचानक निरीक्षण करने और आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला कलेक्टर को समय-समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। परियोजना संचालक को सार्वजनिक रास्तों को क्षतिग्रस्त या अवरुद्ध नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नियमों के अनुसार पौधरोपण और खनन क्षेत्रों की सीमा की निर्धारण सुनिश्चित करना होगा।

खान विभाग को पौधरोपण के लिए भूमि उपलब्ध कराने तथा निर्धारित समय में पौधे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। लगाए गए पौधों की नियमित सिंचाई, सुरक्षा और उनके जीवित रहने की भी व्यवस्था करनी होगी। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल को पर्यावरणीय स्वीकृति की शर्तों का समय-समय पर निगरानी करने और किसी भी तरह का उल्लंघन मिलने पर कानून के अनुसार सुधारत्मक और दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के साथ अधिकरण ने खारी और मासी नदियों में बजरी खनन से संबंधित मूल आवेदन संख्या 89/2026 का निस्तारण कर दिया।

जमीन विवाद में गोली मारकर युवक की हत्या

हिण्डोन सिटी, (निसं)। सूरौट थाना क्षेत्र के बाईजट्ट गांव निवासी युवक सेवाराम जांगिड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक का शव बाई धुरसी से बाईजट्ट गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर पड़ा मिला। परिजनों ने जमीन विवाद और पुरानी रंजिश के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक के पिता जगदीश जांगिड़, निवासी बाईजट्ट ने सूरौट थाने में दी गई रिपोर्ट में बताया कि 7 सितंबर को रात करीब 9 बजे वह और उनका पुत्र सेवाराम घर से खेतों की ओर जा रहे थे, जहां नया मकान बन रहा है। रास्ते में फकीरों की कन्न पीर के पास पहुंचने पर गांव के कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया। धमकाने के बाद एक व्यक्ति ने आनेवास्तु से फायर कर दिया। गोली सेवाराम की कनपटी पर लगी, वह गिर पड़ा और सिर से खून बहने लगा। जगदीश के चीखने-चिल्लाने पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे। हमलावर पास के घरों में घुस गए। सेवाराम को मौके पर ही मौत हो गई। शव को हिण्डोन जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया।

- मृतक का शव बाई धुरसी से बाईजट्ट गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर मिला**
- परिजनों ने जमीन विवाद और पुरानी रंजिश के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कराया**

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि आरोपियों से पूर्व में जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। करीब एक माह पहले परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। परिजनों का आरोप है कि योजनाबद्ध तरीके से अपराधिक षड्यंत्र रचकर सेवाराम की हत्या की गई। सूचना पर सूरौट पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को हिंडौन के जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मंगलवार को मेडिकल बोर्ड से मृतक के शव का पोस्टमार्टम करावा कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलवर जिला प्रमुख पर आचार संहिता में सरकारी वाहन इस्तेमाल करने का आरोप

अलवर, (निसं)। अलवर में पंचायती राज चुनाव की आचार संहिता लागू होने के बाद सरकारी गाड़ी के इस्तेमाल का मामला सामने आया है। जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर पर करीब 11 दिन तक सरकारी वाहन इस्तेमाल करने के आरोप लगे हैं। शिकायत के बाद निर्वाचन विभाग ने जिला परिषद के सीईओ से मामले की रिपोर्ट मांगी है। अलवर में पंचायती राज चुनाव की आचार संहिता के दौरान सरकारी गाड़ी के इस्तेमाल का मामला सामने आने के बाद निर्वाचन विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर पर आरोप है कि आचार संहिता लागू होने के बाद भी उन्होंने करीब 11 दिन तक जिला परिषद की सरकारी गाड़ी का इस्तेमाल किया। शिकायत सामने आने

- शिकायत के बाद निर्वाचन विभाग ने जिला परिषद के सीईओ से मामले की रिपोर्ट मांगी**

के बाद निर्वाचन विभाग ने मामले का संज्ञान लेते हुए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) से पूरी रिपोर्ट मांगी है।

चुनाव की आचार संहिता 19 अगस्त को लागू हुई थी। आरोप है कि इसके बाद भी जिला प्रमुख को आवंटित सरकारी वाहन उनके उपयोग में रहा। बताया गया है कि यह सरकारी गाड़ी करीब 11 दिन तक इस्तेमाल की गई और बाद में 31 अगस्त को जिला

परिषद कार्यालय में जमा कराई गई। अब निर्वाचन विभाग पूरे मामले में यह पता लगाने में जुटा है कि आचार संहिता लागू होने के बाद सरकारी वाहन का इस्तेमाल किसी परिस्थितियों में किया गया।

आचार संहिता प्रभारी बीना महावर ने जिला परिषद के सीईओ को पत्र भेजकर मामले से जुड़ी जानकारी और रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि सरकारी वाहन के इस्तेमाल को लेकर नियमों का उल्लंघन हुआ या नहीं और आगे किस तरह की कार्रवाई की जानी है।

इसी बीच अलवर जिला परिषद में कार्यरत सहायक विकास अधिकारी ब्रजेश कुमार पटेल को लेकर भी निर्वाचन विभाग ने रिपोर्ट मांगी है। राज्य निर्वाचन आयुक्त की ओर से जिला

कलैक्टर से इस मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी गई थी। इसके बाद निर्वाचन विभाग ने जिला परिषद के सीईओ से संबंधित अधिकारी के बारे में रिपोर्ट तलब की है।

शिकायतकर्ता नरेंद्र कुमार ने राज्य निर्वाचन आयुक्त को भेजी शिकायत में आरोप लगाया है कि ब्रजेश कुमार पटेल वर्ष 2016 से लगातार जिला परिषद में पदस्थापित हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि उनका मूल निवास मालाखेड़ा क्षेत्र में है। शिकायतकर्ता ने लंबे समय से एक ही जिले में पदस्थापित रहने को लेकर सवाल उठाते हुए आशंका जताई है कि पंचायती राज चुनाव में संबंधित अधिकारी किसी तरह से चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं।

कोटा, (निसं)। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व तस्करी की धरपकड़ के लिये केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की ओर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की टीम ने सूचना पर कार्रवाई करते हुए टुक में तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ 168.680 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। वहीं टीम ने टुक को जप कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि हरियाणा पंजीकार संख्या वाला एक टुक लाइपुरा क्षेत्र से पंजाब की ओर अवैध डोडा-चूरा ले जा रहा है। सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीनू) कोटा के अधिकारियों को टीम गठित

की गई और टीम को मौके पर रवाना किया गया। गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर निगरानी के दौरान संदिग्ध टुक की पहचान की तथा उसे सकलपुरा टील प्लाजा, कोटा पर रोक लिया गया। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि प्रारंभिक जांच में टुक में सोयाबीन के छिलकों को कवर कागों के रूप में रखा हुआ पाया गया, टीम ने संदेह होने पर टुक में मौजूद व्यक्ति को डिटेन कर टुक को सीबीएन कार्यालय लाकर टुक की तलाशी ली तो कवर कागों के पीछे छिपाकर रखे गए अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद किया। टीम ने कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत बरामद अवैध मादक पदार्थ व टुक को जप्त किया।

RAJASTHAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE

No. :- F.9/ (JSKNAU/DIR-RARI/Accts/2026/1141)

Dated :- 05/09/2026

विज्ञापन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस संस्थान में दिनांक 18.09.2026 को प्रातः 11:00 बजे कार्यालय / प्रयोगशाला में काम आये हुए अनुपयोगी उपकरण, क्लर, फीज, स्फेणालाईबर, एचरी काटि, ताले, बागवाने के उपकरण, प्रिन्टर, फोटोस्टेट मशीन, प्लास्टिक का सामान, लोहे का सामान, टर्ब, दरी, टायर, फर्नीचर एवं अन्य सामान जिस हालात में है, जैसे है कि नीलामी की जावेगी जिसका पुस्तक मूल्य लगभग 1,97,00,000 (अक्षर एक करोड़ सतानेने लाख रूपये मात्र) है। विस्तृत विवरण हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.sknau.ac.in एवं www.raridurgapura.org पर देखें।

राज.संवाद/सी/26/10547

निदेशक

राजस्थान स्टेट मार्टिन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

ई-निविदा सूचना

दिनांक - 07/09/2026

निविदा संख्या एवं दिनांक

कार्य का विवरण

e-Tender no. R5MM/CO/ GGJM/Cont/Cont-20/ 2026-27 Dated 25.08.2026

कार्पोरेट कार्यालय, 4 मीरा मार्ग, उदयपुर पर कार्य करने हेतु उच्चकुशल / कुशल / अर्धकुशल / अकुशल प्रकृति की अभिके की आवश्यकता हेतु ई-निविदा प्राप्त कुल अनुमानित लागत: रु. 62.00 लाख, पक्षीहर राशि: रु. 1.24 / - निविदा शुल्क: रु. 4720 / -

UBN No. MML26275LO800111

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.r5mm.com, www.sppp.rajjasthan.gov.in, www.eproc.rajjasthan.gov.in अथवा वरिष्ठ प्रबंधक (अनुबंध) से उपरोक्त पत्र पर समकें करें।

राज.संवाद/सी/26/10542

उप बलपहरेदार (का.एच.एल.)

कार्यालय नगर परिषद बारां

E-Mail: nagarpalikabaran@gmail.com

रंदेश राय, बारां

Phone: 07453-230106

क्रमांक :- नपवा / डोल मेला / 2026 / 6922-23

दिनांक :- 07.09.2026

EXPRESSION OF INTEREST

नगर परिषद बारां द्वारा प्रति वर्ष की मांति इस वर्ष भी डोल मेला 2026 का दिनांक 22.09.2026 से दिनांक 08.10.2026 तक आयोजन किया जायेगा। वर्तमान मे नगरीय निकाय क्षेत्र में आदर्श आंचार सहिता लागू है, मेला आयोजन के लिए आवश्यक अभिव्यक्ति की अभिकेधि (EOI) जारी करने तथा डोल मेला आयोजन के लिए आवश्यक सभी कार्यवाही किये जाने हेतु श्रीमान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर महोदय द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम को आकर्षक बनाने हेतु डोल मेला 2026 मे आयोजित किय जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम/ कवि सम्मेलन/ मुशायरा कार्यक्रम/ तथा तेजाजी कार्यक्रम, Laughter show इत्यादि) हेतु फर्म/ इंडेठ मेनेजमेन्ट कम्पनी/ लोक कला मण्डल के व्यक्ति से प्रस्ताव आमन्त्रित किये जाते है। प्रस्तुत प्रस्ताव मे दिये जाने वाले कार्यक्रमो का पूर्ण विवरण एवं पिछले किसी कार्यक्रम की विडिओ-सीडी/ पेन ड्राइव मे प्रस्तुत करनी आवश्यक होगी।

प्रस्तावित डोल मेला 2026 के संभावित कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यक्रम	तिथि	वार
1	तेजाजी कार्यक्रम	22.09.2026	मंगलवार
2	सांस्कृतिक कार्यक्रम	23.09.2026	बुधवार
3	स्थानीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरा	24.09.2026	गुरुवार
4	सांस्कृतिक कार्यक्रम	25.09.2026	शुक्रवार
5	सांस्कृतिक कार्यक्रम	26.09.2026	शनिवार
6	सांस्कृतिक कार्यक्रम	27.09.2026	रविवार
7	सांस्कृतिक कार्यक्रम	28.09.2026	सोमवार
8	राजस्थानी कवि सम्मेलन	29.09.2026	मंगलवार
9	सांस्कृतिक कार्यक्रम	30.09.2026	बुधवार
10	अखिल भारतीय मुशायरा कार्यक्रम	01.10.2026	गुरुवार
11	सांस्कृतिक कार्यक्रम	02.10.2026	शुक्रवार
12	अखिल भारतीय कवि सम्मेलन	03.10.2026	शनिवार
13	कव्याली कार्यक्रम	04.10.2026	रविवार
14	सांस्कृतिक कार्यक्रम	05.10.2026	सोमवार
15	भक्ति संख्या कार्यक्रम	06.10.2026	मंगलवार
16	सांस्कृतिक कार्यक्रम	07.10.2026	बुधवार
17	डोल मेला समापन कार्यक्रम	08.10.2026	गुरुवार

उक्तानुसार प्रस्ताव नगर परिषद बारां (राज.) कार्यालय मे किसी भी पिछले 03 वर्ष के डोल मेले मे प्रस्तुत किये गये कार्यक्रम की विडिओ-सीडी/ पेन ड्राइव के साथ प्रस्ताव को बन्ध लिफाफे मे व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया जायेगा। दिनांक 11.09.2026 से सप्ताह 4:00 बजे तक प्रस्ताव प्राप्त किये जायेंगे तथा सप्ता 05.00 बजे परध्वात मेला समिति के समक्ष खोले जायेंगे। मेला समिति द्वारा निर्णय परध्वात ही अनुमोदन किया जायेगा। उक्त विधिति एवं सर्त बरबसाईट www.sppp.rajjasthan.gov.in पर एवं नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है। इस सम्बन्ध मे अधिक जानकारी हेतु नोल मेला अधिकारी की विजय गालव कनिष्ठ अभियन्ता से नगर परिषद मे कार्यालय समय पर समर्क किया जा सकता है।

सर्त :-

1. इवेंट मेनेजमेन्ट कम्पनी / फर्म / कलाकार / अन्य को नगर परिषद बारां द्वारा जारी पिछले कम से कम 05 वर्ष के डोल मेले मे किये गये कार्यक्रम का आदेश की प्रति सलन करना अनिवार्य होगा।

2. इवेंट मेनेजमेन्ट कम्पनी / फर्म / कलाकार / अन्य द्वारा प्रस्तुत दरा / राशि मे सभी प्रकार के चांजज व कर सम्मिलित करने होगा। नगर परिषद बारां द्वारा किसी कर के ऑडिटरस कर / शुल्क / परिधान शुल्क इत्यादि का भुगतान नही किया जायगा अतः समस्त व्यय / करो को जोडकर प्रस्ताव प्रस्तुत करे।

3. किसी भी प्रकार को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार मेला प्रबंधन प्राधेय / अधेयतासर्वाकर्ष के पास सुस्थित रहेगा।

4. इवेंट मेनेजमेन्ट कम्पनी / फर्म / कलाकार / अन्य आदि जिस नाम से प्रस्ताव प्रस्तुत करेगी उसी नाम से भुगतान आदरीजोस / पणकटरी / ऑनलाइन / बैंक द्वारा टीडीएस काटकर कार्यक्रम समान उपवर्तन किया जायगा, अतः तदनुरार प्रस्तुत प्रस्ताव बैंक खाता संख्या, खाता, IFSC कोड इत्यादि विवरण प्रस्तुत करे।

5. इवेंट मेनेजमेन्ट कम्पनी / फर्म / कलाकार / अन्य यह सुनिश्चित करेगे कि मेले मे प्रस्तुत किये जाने वाले कार्यक्रम मे सांस्कृतिक / लोक-कला / धार्मिक / सामाजिक / भक्ति आदि की भावना के अनुरूप ही शोभनीय / शांलानता पूर्वक प्रस्तुतियां देंगे। कोई भी कार्यक्रम अश्लीलता / अश्र्मता अथवा अनुचित को ठेस पहुंचाने वाले प्रस्तुतियां / कलाकार नही देंगे।

UBN-DLB26275LO8020379

राज.संवाद/सी/26/10531

आयुक्त

प्रदेश की 1 6 2 निकायों में प्रथम चरण में आज होगा मतदान

सुबह 7 से शाम 6 बजे तक वोट डाल सकेंगे मतदाता

–कार्यालय संवाददाता–

जयपुर । राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण के मतदान की तैयारियां पूरी हो गई हैं। प्रदेश के 162 नगरीय निकायों में बुधवार को मतदान होगा। इनमें नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाएं शामिल हैं। मतदाता सुबह सात से शाम छह बजे तक अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। मतदान दल मंगलवार को अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाएं संचाल रहे हैं।

पहले चरण के चुनाव वाले निकायों में 17 नगर पालिकाओं के 25 वार्ड, चार नगर परिषदों के छह वार्ड और एक नगर निगम के एक वार्ड में सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। इसके बावजूद शेष वार्डों में चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ी हुई है। जयपुर जिले में पहले चरण के तहत 18 नगरीय निकायों में मतदान कराया जाएगा। इसके लिए कुल 565 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मतदान दलों ने मंगलवार



जयपुर की भवानी निकेतन कॉलेज से मंगलवार को मतदान दल रवाना हुए।

को केंद्रों पर पहुंचकर नियंत्रण संचालना शुरू कर दिया। मंगलवार को श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी, सीकर रोड से मतदान दलों को उनके संबंधित मतदान केन्द्रों के लिए रवाना किया गया। रवानगी स्थल पर मतदान दलों को निर्वाचन सामग्री, प्रशिक्षण और वाहनों की व्यवस्था

उपलब्ध कराई गई।

पहले चरण में प्रदेश के अलवर, भरतपुर, बीकानेर और भीलवाड़ा नगर निगमों में भी मतदान होगा। इसके अलावा चौमूं, शाहपुरा, बाड़मेर, जैसलमेर, तिब्बारा, खैरतार, भिवाड़ी, करौली, कुचामनस्थी, डीडवाना, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़,

बांसवाड़ा, झालावाड़, बूंदी, बारां,

जालौर, झुंझुनूं, फतेहपुर, सवाई माधोपुर, झेलपुर, सुजानगढ़, चूरू, कोटपुतली, ब्यावर और नागौर नगर परिषदों में भी मतदान होगा। मतदान के दिन मौसम भी फिलहाल अनुकूल रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार 12

■ **ज्ञात रहे कि पहले चरण के चुनाव वाले निकायों में 17 नगर पालिकाओं के 25 वार्ड, चार नगर परिषदों के छह वार्ड और एक नगर निगम के एक वार्ड में सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं।**

सितंबर तक प्रदेश में मानसून कमजोर रहने के कारण बारिश को लेकर कोई बड़ी चेतानवी नहीं है।

ऐसे में मतदान के दौरान बारिश के कारण किसी तरह की बड़ी बाधा की आशंका नहीं है।

प्रदेश में पहले चरण के मतदान के बाद 11 सितंबर को दूसरे चरण का मतदान होगा, जबकि 14 सितंबर को मतगणना प्रस्तावित है। नगरीय निकाय चुनाव को लेकर अब बुधवार को मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

राजस्थान में कमजोर पड़ा मानसून, 4-5 दिन बारिश पर ब्रेक

जयपुर । राजस्थान में मानसून की गतिविधियां अब कमजोर पड़ गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार मानसून ट्रफ अपनी सामान्य स्थिति से खिसककर उत्तर भारत की ओर चली गई है। इसके चलते प्रदेश में अगले चार-पांच दिन बारिश की गतिविधियां सीमित रहने की संभावना है। हालांकि मंगलवार को भरतपुर और कोटा संभाग के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों ने 12 सितंबर से प्रदेश में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होने और गतिविधियां बढ़ने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को प्रदेश के कुछ ही इलाकों में बारिश हुई। अलवर, कोटपुतली, सीकर और राजसमंद में बरसात मापी गई। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश राजसमंद के नाथद्वारा में करीब 28 मिलीमीटर हुई। कोटपुतली, अलवर शहर और सीकर के कुछ क्षेत्रों में भी बारिश हुई। देर शाम श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू के कई इलाकों में बादल छाए और हल्की बारिश के साथ तेज हवा चली।

इस मानसून सीजन में राजस्थान में अब तक बारिश का आंकड़ा सामान्य से काफी नीचे है। प्रदेश में 24 प्रतिशत कम बारिश हुई है। केवल चार जिले ऐसे हैं, जहां सामान्य से अधिक बारिश हुई है।

राधाष्टमी पर भक्ति के रंग में रंगेगा गोविंददेवजी मंदिर

19 सितम्बर को राधा रानी का होगा पंचामृत महाभिषेक

जयपुर। मंदिर श्री गोविंद देव जी महाराज में श्री राधाष्टमी महोत्सव इस बार 19 सितंबर को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव के तहत 14 से 18 सितंबर तक मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इन दिनों सुबह और शाम प्रसिद्ध भजन मंडलियों की ओर से हरिनाम संकीर्तन और भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। 18 सितंबर को प्रातः से सायंकाल तक अष्ट प्रहर हरिनाम संकीर्तन का आयोजन होगा।

गोविंद देवजी मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी के अनुसार 14 सितंबर को सायंकाल श्री गौरांग महाप्रभु संकीर्तन मंडल की ओर से भजन-कीर्तन होगा। 15 सितंबर को प्रातः बरसाना वाले सौरभ शर्मा तथा सायंकाल श्री राधा गोविन्द सखी परिवार की ओर से गायन प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं 16 सितंबर को प्रातः श्री श्याम भजन संस्था परिवार सेवा समिति की ओर से तथा सायंकाल एएसएमएस ब्लाड बैंक परिवार की ओर से भजन-कीर्तन होगा। 17 सितंबर को प्रातः श्री सरस प्रभात मंडल और सायंकाल श्री श्याम अनमोल सेवा रत्न परिवार ट्रस्ट की ओर से संकीर्तन किया जाएगा। 18 सितंबर को पूरे दिन अष्ट प्रहर हरिनाम संकीर्तन होगा। इन दिनों राजभोग की झांकी प्रातः 10.45 से 11.15 बजे

अवैध शराब तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। नगर निगम चुनाव-2026 के मद्देनजर अवैध शराब की बिक्री और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जयपुर उत्तर पुलिस के कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। सिंघाधर नगर थाना पुलिस ने आरोपी को कब्जे से 144 पक्वे अवैध देशी शराब बरामद की। शराब परिवहन में इस्तेमाल की जा रही हॉंडा एक्टिवा स्कूटी भी पुलिस ने जब्त कर ली। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि नगर निगम चुनाव के दौरान अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन की रोकथाम के लिए विशेष टीम गठित की गई। जहां पुलिस टीम ने मंदिर मोड़ संकिल के आगे सब्जी मंडी कट के पास अचानक नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान एक हॉंडा एक्टिवा सवार युवक को रोककर उसकी स्कूटी की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान स्कूटी के आगे पर रखे की खाली जगह में खाकी रंग के तीन कार्टन रखे मिले।

इंटरनेट कंपनियों के उपकरण चुराने वाली गैंग के चार बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने एयरटेल सहित अन्य इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनियों के तकनीकी उपकरण चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो चोरी करने वाले, एयरटेल कंपनी का कर्मचारी और चोरी का माल खरीदने वाला व्यापारी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब पांच लाख रुपये कीमत के दो स्टूलाइसिंग मशीनें बरामद की हैं।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि इंटरनेट कंपनियों के कर्मचारी जब साइट पर फाइबर मरम्मत का काम करते थे, उसी दौरान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से 86 कॉलोनियों के प्रतिनिधि मिले



जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को सांगानेर एवं बगरू क्षेत्र की 86 कॉलोनियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को कॉलोनियों के नियमन सहित विभिन्न स्थानीय समस्याओं एवं मांगों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुना और उनकी समस्याओं के संबंध में आवश्यक कार्यवाई के लिए आश्वासत किया। प्रतिनिधिमंडल में नियमन एवं

■ **सांगानेर-बगरू की कॉलोनियों के नियमन सहित स्थानीय मांगों से अवगत करवाया**

संघर्ष समिति के अध्यक्ष रघुनंदन सिंह हाडा, सचिव परशुराम चौधरी, राजेन्द्र सिंह राजawat, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश चौधरी, रविन्द्र शर्मा, ओम सिंह चन्दावत एवं अशोक सिंह राजावत उपस्थित रहे।

पूर्व जनप्रतिनिधि की बकाया राशि की वसूली उसके पति या परिजनों से नहीं कर सकते : हाईकोर्ट

–कार्यालय संवाददाता–

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी पूर्व जनप्रतिनिधि पर बकाया राशि की वसूली उसके पति या परिवारजनों से नहीं की जा सकती और ना उन्हें इसके लिए बाध्य किया जा सकता है। कोई जन-प्रतिनिधि अपने शर्मनाक काम या किसी गलत व्यवहार के लिए खुद ही जिम्मेदार और जवाबदेह होता है। यदि उसके खिलाफ कोई रिकवरी की कार्यवाही शुरू होती है तो बकाया रकम चुकाने और जमा करने के लिए वह अकेला ही जिम्मेदार होता है।

अदालत ने कहा कि पति और पत्नी स्वतंत्र कानूनी इकाइयां हैं तथा एक के

कृत्य या कथित अनियमितता की जिम्मेदारी दूसरे पर तब तक नहीं डाली जा सकती, जब तक कि उसकी संलिप्तता साबित न हो। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्राथी और पूर्व महिला सरपंच के पति को राहत देते हुए संबंधित अफसरों को निर्देश दिया कि वह उसे आगामी पंचायत राज चुनाव लड़ने के लिए तत्काल एनओसी जारी करें। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश बूंदी जिला निवासी राम लक्ष्मण मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता अपनी पत्नी की बकाया रकम के लिए ना तो जमानत देने वाला है और ना ही गारंटर है। यह मामला

राज्य सरकार व पूर्व महिला सरपंच के बीच का एक अलग व स्वतंत्र मामला है। अदालत ने अफसरों के रवैये पर अफसोस जताते हुए कहा कि उन्होंने याचिकाकर्ता को उसकी पूर्व सरपंच पत्नी की बकाया रकम जमा करवाने के लिए मजबूर किया। जबकि उसे जीवन साथी के गलत व्यवहार के लिए जब तक जिम्मेदारी नहीं उठराया जा सकता, जब तक कि वे खुद उसमें शामिल न रहे हो।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ग्राम पंचायत फलेन्डा के आगामी पंचायती राज चुनाव में लड़ना चाहता है, लेकिन अफसर उसे एनओसी पत्र जारी नहीं कर रहे, क्योंकि उसकी

पत्नी साल 1995 से 2000 में ग्राम पंचायत फलेन्डा की सरपंच रही थी। उसकी पत्नी के खिलाफ जांच के बाद एक वसूली आदेश जारी किया, लेकिन वह बकाया राशि जमा नहीं करा पाई और उनकी संपत्ति की नीलामी की कार्रवाई शुरू हुई। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में उसने याचिका दायर की और अदालत ने सितंबर 2009 में अंतरिम आदेश से यह कार्रवाई रोक दी। उसकी याचिका लंबित चल रही है, लेकिन अफसर उसकी पत्नी की बकाया राशि नहीं चुकाने के कारण उसे एनओसी जारी नहीं कर रहे हैं। जिसके चलते वह चुनाव प्रक्रिया में शामिल नहीं हो पा रहा है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद पर नियुक्ति दी है तो चौकीदार और रसोइये का काम क्यों?

■ **हाईकोर्ट ने प्रशासनिक सुधार विभाग के एसीएस, उप सचिव और सामाजिक न्याय विभाग के निदेशक से जवाब मांगा**

कर्मचारी पद पर नियुक्ति दी गई। याचिका में कहा गया कि चतुर्थ श्रेणी के पद का काम कराने के बजाए हॉस्टल में रसोइया व चौकीदार का काम करवाया जा रहा है। जबकि उनसे कम मेरिट वाले अन्य अभ्यर्थियों को उनके इच्छित गृह जिले आवंटित कर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद पर नियुक्ति दी है। अन्य अभ्यर्थियों से बेहतर मेरिट होने के बावजूद उन्हें कम पसंद का

अनुचित पद दूरस्थ जगह पर आवंटित किया है। नियुक्ति के पदस्थापन में उनके साथ भेदभाव हुआ है। राज्य सरकार के प्रशासनिक सुधार विभाग के परिपत्र के अनुसार मेरिट-कम-प्रेफरेंस के आधार पर पोस्टिंग व आवंटन का प्रावधान है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से रसोइया का काम नहीं करवाया जा सकता, क्योंकि दोनों की वेतन श्रृंखला में अंतर है। वहीं सामान भर्ती में अन्य विभाग में नियुक्त कर्मचारियों से चतुर्थ श्रेणी का ही काम करवाया जा रहा है, लेकिन उन्हें मेरिट के अनुसार न नियुक्ति दी और न ही जिला आवंटित किया, जो गलत है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

गणपति के जयकारों से गूंज उठी छोटी काशी

पुष्य नक्षत्र पर गणेशजी का पंचामृत अभिषेक, मोदकों की झांकी सजी

जयपुर (कासं)। छोटी काशी जयपुर में मंगलवार को भौम पुष्य नक्षत्र के अवसर पर प्रथम पुष्य भगवान गणेश के प्राचीन मंदिरों में विशेष धार्मिक अनुष्ठान हुए। मोती डूंगरी गणेश मंदिर, ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित दाहिनी सड़ वाले नहर के गणेश जी मंदिर, चांदपोल स्थित परकोटा गणेश मंदिर सहित शहर के विभिन्न गणेश मंदिरों में भगवान गणपति का अभिषेक, पूजन और विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिरों में मोदकों का भोग लगाया गया और श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि तथा विघ्नों के निवारण की कामना की।

मोती डूंगरी में 251 किलो दूध से अभिषेक

महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि मोती डूंगरी गणेश मंदिर में भगवान गणपति का पंचामृत से विशेष अभिषेक किया गया। इसमें 251 किलो दूध, 50 किलो दही, 25 किलो बूरा, 11 किलो शहद और 11 किलो घी के साथ गुलाब जल, केवड़ा जल और इत्र का उपयोग किया गया। अभिषेक के बाद भगवान को चोला चढ़ाकर नवीन पोशाक और नया मुकुट धारण कराया गया। इसके बाद 1008 मोदकों का भोग लगाया गया। मंदिर में विशेष पूजन के बाद नई ध्वजा भी चढ़ाई गई। महंत कैलाश शर्मा के अनुसार मंदिर परिवार की ओर से मुख्य ध्वजा चढ़ाने की परंपरा है, जबकि 11 अन्य ध्वजाएं श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाई जाती हैं।

मुख्य ध्वजा करीब 27 दिनों में बदली जाती है, जबकि श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाई जाने वाली अन्य ध्वजाएं समय-समय पर बदली जाती हैं। शाम से मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर शुरू हुआ। भगवान गणेश को धूपद गायन प्रिय माना जाता है, इसी मान्यता के तहत धूपद गायन की प्रस्तुति दी गई। भगवान को छपन भोग भी अर्पित किया गया।



ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित श्री नहर के गणेशजी मंदिर में भौम-पुष्य के अवसर पर दिनभर धार्मिक अनुष्ठान हुए।

नहर के गणेशजी मंदिर में 101 अथर्वशीर्ष पाठ

ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित श्री नहर के गणेशजी मंदिर में भौम-पुष्य के अवसर पर दिनभर धार्मिक अनुष्ठान हुए। महंत पं. जय शर्मा के सान्निध्य में सुबह 8 बजे से गणपति अथर्वशीर्ष के 101 पाठ किए गए। इसके बाद भगवान गणपति का दुर्वा मार्जन से अभिषेक और पूजन किया गया तथा ऋग्वेदोक्त गणपति मात्रिका के पाठ हुए। भगवान को नवीन पोशाक धारण करारक वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 21 मोदकों का भोग लगाया गया और शयन करवाया गया। शाम को 251 दीपकों से गणपति जी की महाआरती की गई। मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को सुख-समृद्धि दायक एवं विघ्ननिवारक रक्षा सूत्र और पुष्प आशीर्ष प्रदान किए गए पं. जय शर्मा ने बताया कि मंगलवार को

पड़ने वाला पुष्य नक्षत्र भौम-पुष्य कहलाता है।

शस्त्रों में इसे तंत्र-मंत्र की सिद्धि, ऋण मुक्ति और संपत्ति संबंधी कार्यों के लिए विशेष एवं दुर्लभ संयोग माना गया है। गणेश चतुर्थी से पहले भाद्रपद कृष्ण पक्ष में इस संयोग का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व और बढ़ जाता है।

13 से 15 सितंबर तक गणेश जन्मोत्सव

नहर के गणेशजी मंदिर में 13 से 15 सितंबर तक त्रिदिवसीय श्री गणेश जन्मोत्सव मनाया जाएगा। गणपति को गोटा-पत्रियों से शृंगारित कर राजशशी पोशाक, स्वर्ण मंडित मुकुट और आभूषण धारण करवाए जाएंगे। 13 सितंबर को सिंजारा महोत्सव के तहत शाम 5 बजे विशेष लहरिया पोशाक और साफा धारण कर आरती

गहलोत सरकार के घोटाले में लिप्त मंत्री-अफसर आज जेल में हैं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कोटा और पाली में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया

—कार्यालय संवाददाता—
कोटा/पाली, 8 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कोटा और पाली में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया। उन्होंने निकाय चुनावों में भाजपा की जीत का आह्वान करते हुए ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने का आह्वान किया।

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में हुए जल जीवन मिशन घोटाले, भ्रष्टाचार, पेपर लीक और तुष्टिकरण पर चुनाव सभा में सवाल खड़े किए।**



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कोटा में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में भव्य रोड शो किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कोटा के कैथूनपोल चौराहे पर चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में हुए जल जीवन मिशन घोटाले, भ्रष्टाचार, पेपरलोक और प्रदेश में तुष्टिकरण को लेकर पूर्व सीएम अशोक गहलोत पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत जब मुख्यमंत्री थे, तब उनकी सरकार भ्रष्टाचार में आकंट में डूबी रही, परंतु गहलोत ने आंखें मूंदे रखीं। कांग्रेस के घोटालों में लिप्त मंत्री और अधिकारी

आज जेल में हैं।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर तंज करते हुए कहा कि कांग्रेस के लोगों की मैथमेटिक्स कमजोर है तो मेरे पास आ जाओ। आपका ट्यूशन भी लगवा देंगा। अभी तक ढाई साल हुआ है, अभी भी ढाई साल बाकी है। यह आंकड़ा अभी लाखों में पहुंच रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शाम 4 बजे पाली से कोटा एयरपोर्ट पहुंचे। उसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के घर पर उनसे मिलने गए।

एयरपोर्ट पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हिरा लाल नागर, विधायक संदीप शर्मा, कल्पना देवी, शहर भाजपा अध्यक्ष राकेश जैन, पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री स्वागत किया।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पाली में सूरजपोल बाजार से सोमनाथ मंदिर, सर्राफा बाजार, फतेहपुरिया बाजार, पानी दरवाजा होते हुए, सिंधी कॉलोनी तक रोड शो निकाला। मुख्यमंत्री के पहुंचने से पहले

भाजपा ने सूरजपोल चौराहे से लेकर पूरे बाजार व सिंधी कॉलोनी को भाजपा के झंडों से सजाया। सुबह 10 बजे से 65 वाडों में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ भाजपा के झंडे लहराते सूरजपोल चौराहे पर एकत्रित हुए। दोपहर करीब 1 बजे मुख्यमंत्री का काफिला सूरजपोल पहुंचा, जहां मुख्यमंत्री सीधे रथ पर चढ़े, उनके साथ सांसद पीपी चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख भी थे।

गहलोत, आशा लगाए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
जिम्मेदारी संभालने के साथ राजस्थान में भी राजनीतिक समीकरण बदलेंगे।
रंधावा पंजाब से सांसद हैं। वे जाट सिख हैं और राजस्थान कांग्रेस के जाट पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा से उनके मजबूत संबंध हैं।
हाल ही में उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जमकर तारीफ की थी। गहलोत ने पायलट को दबाए रखने और यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी कि वे राजस्थान के सत्ता ढांचे से बाहर रहें। लेकिन अब, जब सचिन पायलट को एक महत्वपूर्ण चुनावी राज्य की बड़ी जिम्मेदारी मिली है, तो गहलोत इस बात से बेहद नाराज लग रहे हैं कि उन्हें दरकिनार कर दिया गया है। गहलोत को उम्मीद थी कि के सी वेणुगोपाल, अंबिका सोनी, मुकुल वासनिक और अन्य नेता उन्हें फिर से राजनीतिक रूप से स्थापित करने में मदद करेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।
इसके बजाय, प्रियंका गांधी ने

पंजाब में के सी वेणुगोपाल, भूपेश बघेल, रंधावा और अन्य लोगों के बीच बने मजबूत गठजोड़ को सफलतापूर्वक तोड़ दिया है, क्योंकि ये लोग न केवल एक-दूसरे की मदद करते थे, बल्कि उनके कुछ कमर्शियल हित भी जुड़े हुए थे। पंजाब के नेता बड़े ढांव लगाने वाले खिलाड़ी हैं और बड़े पैमाने पर पैसों के खेल में शामिल रहते हैं। सचिन पायलट के लिए यह एक महत्वपूर्ण और हाई-प्रोफाइल जिम्मेदारी है, जिसका असर राजस्थान में उनके भविष्य पर भी पड़ेगा। पंजाब में जीत उनके राजनीतिक करियर के लिए चमत्कारिक साबित हो सकती है !!

महेश्वरी स्कूल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
प्रबंधन का कहना है कि वे अपने स्तर पर भी मामले को उम्मीद थी कि के सी वेणुगोपाल, अंबिका सोनी, मुकुल वासनिक और अन्य नेता उन्हें फिर से राजनीतिक रूप से स्थापित करने में मदद करेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।
इसके बजाय, प्रियंका गांधी ने

विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब में नशा मुक्ति अभियान चलायेगी -भाजपा

राज्य की सभी 117 सीटों से गुजरने वाली यात्रा की शुरुआत

नितिन नबीन 18 सितम्बर को करेंगे

■ **दो सप्ताह चलने वाली यात्रा में भाजपा के कई बड़े नेता शामिल होंगे। समापन समारोह में गृह मंत्री अमित शाह के आने की संभावना बताई जा रही है।**

जनता के सामने रखेगी।

पार्टी लोगों से वादा करेगी कि अगर उसे इस बार सत्ता मिलती है तो नशे की समस्या को खत्म करने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। यात्रा के दौरान नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।

करीब दो सप्ताह चलने वाली इस

सत्ताइस साल पहले रिटायर जिला जज को पेंशन परिलाभ देने के आदेश

जयपुर, 8 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 27 साल पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद से रिटायर याचिकाकर्ता को दो सप्ताह में पेंशन सहित, अन्य परिलाभ ब्याज सहित अदा करने को कहा है। जस्टिस संजीव प्रकाश

■ **राजस्थान हाई कोर्ट की खंडपीठ ने दो सप्ताह में ब्याज सहित भुगतान के निर्देश दिए।**

शर्मा और जस्टिस चन्द्र शेखर शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश मातादीन गर्ग की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि यदि किसी दस्तावेज पर याचिकाकर्ता के हस्ताक्षर जरूरी हैं तो उसकी उम्र को ध्यान में रखते हुए रजिस्ट्री अधिकारी को उनके निवास पर भेजकर हस्ताक्षर कराए जायें। अदालत ने कहा कि यदि तय अवधि में बकाया राशि का भुगतान नहीं किया जाता है तो याचिकाकर्ता को 12 फीसदी ब्याज सहित भुगतान किया जाएगा और इस अतिरिक्त राशि की वसूली संबंधित अधिकारी से की जाएगी।

याचिका में अधिवक्ता सोगत रॉय ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता मार्च, 1999 में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद से रिटायर हुआ था। रिटायर होने के दो साल तक सरकारी भवन खाली नहीं करने पर संपदा निदेशक से हाईकोर्ट प्रशासन को पत्र लिखा था, जिसमें कहा गया था कि उसकी ग्रेच्युटी में से 57 हजार 454 रुपए कागदर कूट शेष राशि जारी कर दी जाए। इसके बावजूद शेष बकाया राशि और पेंशन नहीं दी गई। रने को कहा है।

ब्रिक्स देशों के साथ रुस का 90 प्रतिशत व्यापार डॉलर में नहीं होता

रुस ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार में ब्रिक्स देशों की राष्ट्रीय मुद्रा का उपयोग हो रहा है

■ **क्रैमलिन प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिक्स किसी के खिलाफ बनाया गया समूह नहीं है, बल्कि यह अपने राष्ट्रीय हितों को मिलकर साधने का मंच बनकर उभरा है।**

पैसा (राष्ट्रीय मुद्रा) इस्तेमाल करेंगे। हम किसी भी प्रकार की डॉलर-विरोधी नीति का समर्थन नहीं करना चाहते। हम बस वही कर रहे हैं, जो हमारे राष्ट्रीय हितों के लिए सबसे उपयुक्त है। प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिक्स की विचारधारा में बहुध्रुवीय विश्व की अवधारणा प्रमुखता से शामिल है। हालांकि उन्होंने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि कुछ शक्तियां एक ध्रुवीय विश्व को फिर से स्थापित करने का प्रयास कर रही हैं। इसके लिए खतरनाक तरीके भी अपनाए जा रहे हैं। वहीं, वैश्विक बहुमत बहुध्रुवीय विश्व के पक्ष में है और भारत इस दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है।

पहली बार लग रहा ...

■ **सोमवार को हृथी योद्धाओं ने सऊदी अरब पर आक्रमण किया, काफी नागरिकों की हानि हुई तथा सऊदी के ऑयल प्रतिष्ठानों को भी हानि पहुंचाई गई।**

■ **पर, अभी ईरान के कट्टरपंथी अमेरिका के साथ किसी भी तरह का समझौता होने की संभावना को आगे नहीं बढ़ने दे रहे।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
स्थिति में नहीं है, जिन्से उसके दुश्मनों को सबसे ज्यादा डर लगता है। साफ तौर पर उसके हथियारों और गोला-बारूद का भंडार खत्म होता जा रहा है, हालांकि ईरान को कोई रियायत दे रहा है। मुद्दे स्पष्ट हैं। ज्यादा घातक हथियार मौजूद हैं। अमेरिका को उम्मीद है कि ईरान की लगातार बिगड़ती और दमघोड़ स्थिति के चलते, वहां की जनता सरकार के खिलाफ उठ खड़ी होगी और विद्रोह पर उतर आयेगी। अमेरिका उम्मीद कर रहा है कि ईरान के नेताओं और देश पर बढ़ते दबाव तथा घुटन की इस स्थिति में, वह अपने शुरुआती उद्देश्य, यानी ईरान में सत्ता परिवर्तन, को हासिल कर सकेगा। अमेरिका की रणनीति में सबसे बड़ा अनिश्चित पहलू यह है कि इस युद्ध ने ईरानी जनता की मानसिकता को बदल दिया होगा। जहाँ एक तरफ ईरान के सुरक्षा तंत्र के सत्ताधारी गुट और भी कठोर तथा बदले की भावना वाले हो सकते हैं, वहीं देश पर अमेरिका के विनाशकारी हमलों के सामने आम जनता में राष्ट्रवाद की भावना और मजबूत हो सकती है। ईरान के भीतर पैदा हुई ये नई परिस्थितियां देश के अधिक समझदार और व्यावहारिक वरिष्ठ नेताओं को किसी उचित समझौते तक पहुंचने से रोक सकती हैं। उदाहरण के लिए, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकिवन खुले तौर पर बातचीत फिर शुरू करने और युद्ध खत्म करने की बात कर रहे हैं। लेकिन सुरक्षा तंत्र से जुड़े अधिक कट्टरपंथी और युद्ध समर्थक लोग, खास तौर पर आईआरजीसी, बातचीत की किसी भी संभावना को रोक रहे हैं। कुल मिलाकर, कट्टरपंथी इस बात के खिलाफ हैं कि ऐसा दिखाई दे कि ईरान अमेरिका को कोई रियायत दे रहा है। मुद्दे स्पष्ट हैं। अमेरिका होरमुज्ज के मामले में पहले जैसी स्थिति चाहता है। इसका मतलब है कि यह संकरा जलडमरूमध्य फिर से एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग बने और उस पर ईरान का नियंत्रण न रहे। अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भी रियायत चाहता है और चाहता है कि इसे दोबारा शुरू न किया जाए। और अंत में, ईरान प्रतिबंधों में तत्काल राहत और अरबों डॉलर की फ्रीज की गई रकम को जारी करने की मांग कर रहा था। इन मुद्दों में से कई पर अमेरिका जून में हुए समझौते में काफी हद तक सहमत हो गया था, लेकिन ईरान ने हमले करके और जानबूझकर समझौते का उल्लंघन करके उस समझौते को खत्म हो जाने दिया। इसलिए कोई हेरानि नहीं कि डॉनल्ड ट्रंप जून के समझौते को खारिज कर रहे हैं और कह रहे हैं कि अब वह समझौता अस्तित्व में नहीं है। अमेरिका अब धैर्य के साथ इंतजार करने की रणनीति अपना रहा है और देख रहा है कि ईरान इस लगातार बढ़ते दबाव को कितने समय तक झेल सकता है, जो उसकी अर्थव्यवस्था का दम घोट रहा है। और आम लोगों को लगातार बढ़ती और असहनीय होती जा रही मुसीबतों में डाल रहा है।

“नाराज़ फूफा जी” तो हमेशा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
की परियोजना की कल्पना 2004 में की गई थी, लेकिन, 2014 में भाजपा के सत्ता में आने तक, कुछ भी आगे नहीं बढ़ा।

किसी का नाम लिए बिना, प्रधानमंत्री ने फिर उन लोगों पर तंज किया, जो इस परियोजना की उपयोगिता पर सवाल उठा सकते हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, एक नाराज फूफा जी चिल्ला रहे होंगे कि “टूक ड्राइवर क्या करेगा?” अब फूफा जी के पास भी काम है।”

उन्होंने कहा कि यह माल दुलाई गलियाँरा उन जगहों तक रेल संपर्क पहुंचा रहा है, जहां आजादी के बाद भी रेल संपर्क नहीं था। उन्होंने कहा कि यह परियोजना आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के लिए भारतीय आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने की व्यापक कोशिश का हिस्सा है। पूर्ववर्ती यूपीए सरकार पर एक और कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री मोदी

ने कहा, 2014 के बाद भारत ने 50 हजार आधुनिक रेलवे कोच बनाए, जबकि पिछली सरकार 10 साल में 50 हजार शौचालय भी नहीं बना सकी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब मैनुफैक्चरिंग के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, “चिप से लेकर शिप (जहाज) तक”, जिसमें कलपुर्जों से लेकर तैयार उत्पादों तक का निर्माण देश में ही किया जा रहा है।

“नाराज फूफा जी” प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आलोचकों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले व्यंग्यात्मक नामों की बढ़ती सूची में सबसे नया है। उन्होंने पहली बार पिछले सप्ताह श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में इस शब्द का इस्तेमाल किया था। उस कार्यक्रम में उन्होंने युवा मतदाताओं तक पहुंच बनाने के लिए अपने भाषण में जेन जी की भाषा और शब्दों का भी इस्तेमाल किया था।

उस कार्यक्रम में उन्होंने उन लोगों

पर निशाना साधते हुए यह उदाहरण दिया था, जिन्होंने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की उम्मीद से बेहतर, 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि “नकारात्मक सोच वाले लोगों” ने सरकार को पहलों का विरोध करना एक तरह का खेल बना लिया है।

उन्होंने कहा था, “कैपस के बाहर आपको दो तरह के लोग मिलेंगे: एक वे, जो समाज की शक्ति को राष्ट्र की शक्ति में बदलने के लिए सकारात्मक रूप से काम करते हैं और दूसरे वे, जो किसी भी काम की शुरुआत होते ही “नाराज फूफा” बन जाते हैं।”

इस टिप्पणी से नाराज विपक्षी नेताओं ने इसका विरोध किया था।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तलाशी के लिए अभियान चलाया गया।

कहा था कि वे हर साल सरकार की कमियों से ध्यान हटाने के लिए एक नया विशेषण लेकर आते हैं।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
जैसे मुद्दों को शामिल किए जाने की संभावना है। लॉजिस्टिक्स से जुड़ी बाधाओं को कम करने के लिए इंटरनेशनल ऑर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर और चेन्नई-व्लादिवास्तोक समुद्री मार्ग जैसी संपर्क परियोजनाओं की भी समीक्षा की जा सकती है, ताकि माल दुलाई से जुड़ी बाधाओं को कम किया जा सके।
यह बातचीत 31 अगस्त 2026 को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं की हालिया मुलाकात पर आधारित है। उस दौरान मोदी और पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा की थी। मोदी ने “लगातार चलने वाले युद्धों से युद्ध की समाप्ति की ओर” बढ़ने की जरूरत पर जोर दिया था और शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के समर्थन को दोहराया था। दोनों नेताओं ने ऊर्जा आपूर्ति, एस-400 की डिलीवरी सहित, रक्षा संबंधों और व्यापक सहयोग की भी समीक्षा की थी। मोदी ने पुतिन को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में

शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 11 सदस्य देशों वाले विस्तारित समूह के नेता और साझेदार देश शामिल होंगे। इस 11 सदस्यीय समूह में ब्राजील, चीन, मिक्स, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और यूएई शामिल हैं। पुतिन, चीन के सामने ला दिया है, जो भूकंप को बड़े राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा, मिक्स के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियंतो, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकिवन और इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद समेत, कई अन्य नेताओं के इसमें शामिल होने की पुष्टि हो चुकी है। 2019 के बाद पहली बार भारत आएंगे। भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह शिखर सम्मेलन “लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण” विषय पर आधारित है और भारत-रूस संबंधों को और मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक अवसर प्रदान करता है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
पास होना और बहुत अधिक आबादी, इसे बड़े भूकंप के लिहाज से खास तौर पर संवेदनशील बनाती है।

सत्य निकेतन की इमारत गिरने की घटना ने उन कई कमजोरियों को सामने ला दिया है, जो भूकंप को बड़े पैमाने की शहरी आपदा का रूप दे सकती हैं।
अधिकारी अब सार्वजनिक उपयोग वाली इमारतों और पीजी आवासों की संरचनात्मक (स्ट्रक्चरल) जाँच तथा सुरक्षा के नए उपायों पर विचार कर रहे हैं।

दिल्ली की इमारतों की जटिलता एवं बहुत बड़ी संख्या को देखते हुए यह चिंता और भी गंभीर हो जाती है।

“नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी” के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किये गए एक शोध-पत्र में, जो

2026 में एनवायरनमेंटल अर्थ साइंसेज में प्रकाशित हुआ, अनुमान लगाया गया था कि दिल्ली-एनसीटी में करीब 89 लाख इमारतें हो सकती हैं। अध्ययन में पाया गया कि इस इलाके में मुख्य फॉल्ट्स के पास मध्यम तीव्रता के भूकंप की स्थिति में करीब 38 प्रतिशत इमारतें असुरक्षित सिद्ध हो सकती हैं।

रजत पसरीचा, कपिल मोहन और ओ पी मिश्रा द्वारा किए गए इस अध्ययन में 6.0 तीव्रता के भूकंप की स्थिति में संभावित नुकसान का विश्लेषण रूप से आकलन किया गया। इसमें आबादी का अधिक घनत्व, पुरानी इमारतें और स्थानीय भूगर्भीय स्थिति की जटिलता को बड़े जोखिम वाले प्रमुख कारण बताया गया है।

इसका मतलब यह नहीं है कि दिल्ली की 38 प्रतिशत इमारतें जरूरी तौर पर गिर जाएंगी।

भूकंप से होने वाला नुकसान

इस बात पर निर्भर करता है कि भूकंप कहां आता है, उसकी गहराई और उसकी प्रकृति क्या है, स्थानीय मिट्टी की स्थिति कैसी है और अलग-अलग इमारतों की गुणवत्ता तथा डिज़ाइन कैसी है। लेकिन अध्ययन के निष्कर्ष दिल्ली के जोखिम के स्तर को उभार कर रहे हैं।

इसलिए दिल्ली के सामने चुनौती अगले भूकंप की भविष्यवाणी करना नहीं है। चुनौती यह है कि भूकंप आने से पहले शहर को उसके लिए तैयार किया जाए।

आतंकी कैप आयोजित करने के आरोपी, सात विदेशी नागरिकों के खिलाफ चार्जशीट

नई दिल्ली, 08 सितंबर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने आतंकी गतिविधियों की जांचिषय को फिर्न से स्थापित करने और उग्रवाद से संबंधित कैप आयोजित करने जैसे गंभीर आरोपों में शामिल एक अमेरिकन सहित, सात विदेशी नागरिकों के मामले में मंगलवार को चार्जशीट दाखिल की है।

एनआईए ने आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 यूएपीए की धारा 18 लगाई थी। खास बात है कि चार्जशीट में सभी आरोपियों के खिलाफ यूएपीए की धारा हटाई गई है।

चार्जशीट में केवल इमिग्रेशन एंड फीरिस एक्ट, 2025 की धारा 21 और 23 लिखी है। धाराओं में ये दोनों धाराएं फीरिस रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस के स्तर पर समझौता योग्य (कंपाउंडेबल) अपराध की श्रेणी में आती हैं।